17-01-2022

रेड सैंडर्स

प्रश्न – निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए –

1. रेड सैंडर यानी रक्त चंदन की लकड़ी जो अभी तक IUCN के रेड डेटा लिस्ट में नियर थ्रेटेंड के रूप में सूचीबद्ध थी, अब उसे संकटापन्न की सूची में डाल दिया गया है।
2. यह भारत में सर्वाधिक तस्करी की जाने वाली लकड़ी है जो पूरी दुनिया में केवल शेषाचलम की पहाड़ी क्षेत्र और उससे लगे कुछ क्षेत्रों में पाई जाती है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के क्षेत्र इसके मूल निवास स्थान हैं।
3. रेड सैंडर सैंडलवुड यानी चंदन की एक Non Fragrant Variety है। यह शुष्क पर्णपाती वन का उदाहरण है।

उपरोक्त मे से कौन-से/सा कथन सत्य है –

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – (D) उपरोक्त सभी

भूमिका – रेड सैंडर यानी रक्त चंदन की लकड़ी जो अभी तक IUCN के रेड डेटा लिस्ट में नियर थ्रेटेंड के रूप में सूचीबद्ध थी, अब उसे संकटापन्न की सूची में डाल दिया गया है। यह निर्णय IUCN ने हाल ही में लिया है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के क्षेत्र इसके मूल निवास स्थान हैं। यानी यह इसी क्षेत्र की एंडेमिक है। शेषाचलम हिल्स और नल्लमाला पहाड़ियों में इसकी तस्करी जारी है।
- रेड सैंडर यानी रक्त चंदन की लकड़ी जो अभी तक IUCN के रेड डेटा लिस्ट में नियर थ्रेटेंड के रूप में सूचीबद्ध थी, अब उसे संकटापन्न की सूची में डाल दिया गया है।
- पालकोंडा, कडप्पा, चित्तूर, अनंतपुर प्रकाशम, नेल्लोर इन सब क्षेत्रों में यह लकड़ी पाई जाती है। ब्लैक मार्केट में 1 टन रेडसैंडर की कीमत 15 से 30 लाख है।
- रेड सैंडर सैंडलवुड यानी चंदन की एक Non Fragrant Variety है। यह शुष्क पर्णपाती वन का उदाहरण है।
- यह 500 फीट से 3000 फीट की ऊंचाई पर पाए जाते हैं। रेड सैंडर की लकड़ी उपयोग में आने में 20 से 25 वर्ष लग जाते हैं।
- चीन, जापान और अन्य दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में और दक्षिण एशियाई देशों में भी इसकी अवैध तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है।
- यह भारत में सर्वाधिक तस्करी की जाने वाली लकड़ी है जो पूरी दुनिया में केवल शेषाचलम की पहाड़ी क्षेत्र और उससे लगे कुछ क्षेत्रों में पाई जाती है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के क्षेत्र इसके मूल निवास स्थान हैं।
- भारत रेडसैंडर्स के स्मगलरों से निपटने के लिए इंटरपोल की मदद भी मांग चुका है क्योंकि ऐसे तस्कर श्रीलंका ,नेपाल, सिंगापुर, म्यानमार में भारत की इस दुर्लभ लकड़ी की तस्करी में लगे हुए हैं।
- क्राइम इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट यानी सीआईडी जो इंटरपोल की आंध्र प्रदेश में नोडल एजेंसी है, उसने इंटरपोल के साथ इस मुद्दे पर सहयोगात्मक गठजोड़ करने के भी प्रयास किए हैं। इंटरपोल ने ऐसे तस्करों के लिए रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी कर रखे हैं।

सर क्रीक समझौता

प्रश्न – निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए –

1. सर क्रीक (Sir Creek), कच्छ के रण की दलदली भूमि में भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित पानी की एक 96 किलोमीटर लंबी पट्टी है।
2. 'सर क्रीक' का मुख्य महत्व मत्स्यन संसाधनों को लेकर है। 'सर क्रीक' को एशिया के सबसे बड़े मत्स्यन क्षेत्रों में से एक माना जाता है।
3. इस क्षेत्र में समुद्र के नीचे तेल और गैस की बड़ी मात्रा की संभावित मौजूदगी है। इस मुद्दे पर जारी गतिरोध के कारण वर्तमान में इस संपदा का कोई उपयोग नहीं किया जा रहा है।

उपरोक्त मे से कौन-से/सा कथन सत्य है –

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03

(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – (D) उपरोक्त सभी

भूमिका – अतीत में 'सियाचिन' और 'सर क्रीक' को भारत और पाकिस्तान के बीच समाधान के लिए लंबे समय से 'आसानी से हल किए जा सकने वाले मुद्दे' बताया जाता रहा है। सियाचिन के मुद्दे पर दोनों देशों के मध्य रक्षा सचिव स्तर पर 13 दौर की वार्ता की जा चुकी हैं तथा इस विषय पर अंतिम वार्ता जून 2012 में हुई थी। हालांकि, इस मुद्दे पर अभी तक कोई समाधान नहीं हो सका है।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- सर क्रीक (Sir Creek), कच्छ के रण की दलदली भूमि में भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित पानी की एक 96 किलोमीटर लंबी पट्टी है।
- इस जल-धारा को मूल रूप से बाण गंगा के नाम से जाना जाता था, बाद में एक ब्रिटिश अधिकारी के नाम पर इसका नाम 'सर क्रीक' रख दिया गया।
- 'सर क्रीक' का मुख्य महत्व मत्स्यन संसाधनों को लेकर है। 'सर क्रीक' को एशिया के सबसे बड़े मत्स्यन क्षेत्रों में से एक माना जाता है।
- सर क्रीक की यह धारा गुजरात के कच्छ क्षेत्र से पाकिस्तान के सिंध प्रांत को विभाजित करती हुई अरब सागर में जाकर गिरती है।
- इस क्षेत्र में समुद्र के नीचे तेल और गैस की बड़ी मात्रा की संभावित मौजूदगी है। इस मुद्दे पर जारी गतिरोध के कारण वर्तमान में इस संपदा का कोई उपयोग नहीं किया जा रहा है।
- सर क्रीक रेखा विवाद वस्तुतः कच्छ और सिंध के बीच समुद्री सीमा रेखा की अस्पष्ट व्याख्या में निहित है।
- भारत की स्वतंत्रता से पहले, यह प्रांतीय क्षेत्र ब्रिटिश भारत के अधीन 'बॉम्बे प्रेसीडेंसी' का एक हिस्सा था। लेकिन 1947 में भारत की आजादी के बाद, सिंध क्षेत्र पाकिस्तान का हिस्सा बन गया, जबकि कच्छ भारत का हिस्सा बना रहा।
- तत्कालीन सिंध सरकार और कच्छ के 'राव महाराज' के बीच हस्ताक्षरित '1914 के बॉम्बे सरकार के प्रस्ताव' के पैराग्राफ 9 और 10 के अनुसार पाकिस्तान इस पूरे क्रीक क्षेत्र पर अपना दावा करता है।
- इस प्रस्ताव में, इन दोनों क्षेत्रों के बीच की सीमाओं का सीमांकन किया गया था, जिसके तहत 'क्रीक' को सिंध प्रांत में शामिल किया गया, तथा 'क्रीक' के पूर्वी किनारे को इस प्रांत की सीमा के रूप में निर्धारित किया गया, जिसे लोकप्रिय रूप से 'ग्रीन लाइन' के रूप में जाना जाता है।

- लेकिन भारत का दावा है, यह सीमा जल-निकाय के बीच से होकर गुजरती है, जैसा कि 1925 में तैयार किए गए एक अन्य मानचित्र में दर्शाया गया है, और इस सीमा को वर्ष 1924 में जल-निकाय के बीच में 'खम्भे' गाड़कर निर्धारित किया गया था।
- भारत अपने समर्थन में, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून में वर्णित थालवेग सिद्धांत का हवाला देता है, जिसमें कहा गया है कि किसी जल-निकाय के नौगम्य होने पर दो राज्यों के मध्य सीमा को नदी की धारा के बीच से विभाजित किया जा सकता है।
- रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होने के अलावा, 'सर क्रीक' का मुख्य महत्व मत्स्यन संसाधनों को लेकर है। 'सर क्रीक' को एशिया के सबसे बड़े मत्स्यन क्षेत्रों में से एक माना जाता है।
- इसके महत्व का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण, इस क्षेत्र में समुद्र के नीचे तेल और गैस की बड़ी मात्रा की संभावित मौजूदगी है। इस मुद्दे पर जारी गतिरोध के कारण वर्तमान में इस संपदा का कोई उपयोग नहीं किया जा रहा है।

सियाचिन ग्लेशियर

प्रश्न – निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिए –

1. सियाचिन ग्लेशियर हिमालय की पूर्वी काराकोरम श्रेणी में स्थित है।
2. यह विश्व के गैर-ध्रुवीय क्षेत्रों में अवस्थित दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर है।
3. सियाचिन ग्लेशियर यूरेशियन प्लेट को भारतीय उपमहाद्वीप से अलग करने वाले 'महान जल विभाजक' के ठीक दक्षिण में स्थित है।

उपरोक्त मे से कौन-से/सा कथन सत्य है –

(A) 01 और 02 (B) 02 और 03
(C) 01 और 03 (D) उपरोक्त सभी

उत्तर – (D) उपरोक्त सभी

भूमिका – हाल ही में सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे ने कहा कि भारत सियाचिन ग्लेशियर के विसैन्यीकरण के खिलाफ नहीं है, किंतु इसके लिए पाकिस्तान को दोनों देशों की स्थिति को विभाजित करने वाली 'वास्तविक ग्राउंड पोजिशन लाइन' (AGPL) को स्वीकार करना होगा।

परीक्षा उपयोगी बिंदु –

- सियाचिन ग्लेशियर हिमालय की पूर्वी काराकोरम श्रेणी में स्थित है।
- यह विश्व के गैर-ध्रुवीय क्षेत्रों में अवस्थित दूसरा सबसे लंबा ग्लेशियर है।
- सेना प्रमुख ने कहा, कि सियाचिन का सैन्यीकरण 1984 के अंत में पाकिस्तान द्वारा यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने के प्रयास का परिणाम था, जिसकी वजह से भारत को जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- समुद्रतल से इसकी ऊँचाई इसके स्रोत इंदिरा कोल पर लगभग 5,753 मीटर और अंतिम छोर पर 3,620 मीटर है।
- सियाचिन ग्लेशियर यूरेशियन प्लेट को भारतीय उपमहाद्वीप से अलग करने वाले 'महान जल विभाजक' के ठीक दक्षिण में स्थित है।